राजस्थान सिविल सेवा अपील अधिकरण, जयपुर

अपील संख्या :–1242/2025

सुनिता **–अपीलार्थी**

बनाम

1. प्रमुख शासन सचिव, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, शासन सचिवालय, जयपुर।
2. निदेशक (अराजपत्रित) एवं अतिरिक्त निदेशक (प्रशासनिक), पंचायत राज (चिकित्सा), जयपुर।
3. मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, झुंझुंनू।
4. खण्ड मुख्य चिकित्सा अधिकारी, खेतड़ी जिला झुंझुंनू।
5. सुमन, ए.एन.एम. कार्यालय, खण्ड मुख्य चिकित्सा अधिकारी, बाप, जोधपुर।

–प्रत्यर्थीगण

प्रस्तुतिकरण की दिनांक : 15.01.2025
आदेश की दिनांक : 18.02.2025
उपस्थित –
अपीलार्थी की ओर से : श्री संजय महला, अधिवक्ता
प्रत्यर्थी विभाग की ओर से : श्री संजीव सिंघल, केवियटर

समक्ष :– चेतन राम देवडा, सदस्य
लेखराज तोसावड़ा, सदस्य

आदेश

1. मामले की आवश्यक प्रकृति को देखते हुए राजस्थान सिविल सेवा (सेवा मामलों के लिए अपील अधिकरण) अधिनियम, 1976 की धारा 4ए के उपबन्ध में शिथिलिता प्रदान करते हुए उक्त अपील की सुनवाई की गई।
2. अपीलार्थी के विद्वान अधिवक्ता ने अपील में वर्णित तथ्यों को दोहराते हुए कथन किया है कि अपीलार्थी वर्तमान में ए.एन.एम के पद पर उप केन्द्र, धर्मदादा, खण्ड खेतड़ी जिला झुंझुंनू में कार्यरत है। प्रत्यर्थी विभाग के आदेश दिनांक 15.01.2025 (अनुलग्नक–1) के द्वारा अपीलार्थी स्थानान्तरण वर्तमान पदस्थापन स्थान से कार्यालय, खण्ड मुख्य चिकित्सा अधिकारी, बाप, जोधपुर में बिना किसी प्रशासनिक आवश्यकता के 430 कि.मी. दूरस्थ स्थान पर निजी प्रत्यर्थी संख्या 5 को संमजित करने के उद्देश्य से किया गया है। अपीलार्थी वर्तमान पद पर दिनांक 13.07.2023 (अनुलग्नक–2) से कार्यरत है। अपीलार्थी मात्र लगभग डेढ़ वर्ष की समयावधि में मात्र केवल निजी प्रत्यर्थी संख्या 5 को लाभ पहुचाने के लिए स्थानान्तरण किया गया हैं। अपीलार्थी का स्थानान्तरण नियम–2011 के नियम 8 (iii) का उल्लंघन करते हुए जारी किया गया है। अपीलार्थी का स्थानान्तरण पंचायत राज विभाग से अनुमति लिए बिना ही जिले से बाहर कर दिया गया है, जो अनुचित एवं विधि–विरूद्ध है।

अपीलार्थी का पति भारतीय सेना में हवलदार के पद पर कार्यरत है (अनुलग्नक–3)। अपीलार्थी के दो छोटे बच्चे है, जो अपीलार्थी के वर्तमान पदस्थापन स्थान पर अध्ययनरत है। अपीलार्थी की पुत्री ब्लड कैंसर से पीड़ित है। जिसका जून, 2023 से निरन्तर आर.आर. अस्पताल, दिल्ली में ईलाज चल रहा है। अपीलार्थी का ससुर काफि वृद्ध है, जो कई बीमारियों से पीड़ित है। उनका दिनांक 01.09.2024 से निरन्तर मणिपाल अस्पताल में ईलाज चल रहा है। उनकी देखभाल अपीलार्थी के द्वारा ही की जाती है, उनकी देखभाल करने वाला परिवार में अपीलार्थी के अलावा अन्य कोई व्यक्ति नहीं है। माननीय उच्च न्यायालय में दायर एस.बी. सिविल रिट पिटिशन संख्या 15492 / 2022 उबीता कुमारी बनाम राजस्थान राज्य एवं अन्य में पारित आदेश दिनांक 20.10.2022 (अनुलग्नक–4) एवं माननीय अधिकरण में दायर अपील संख्या 2014 / 2018 अनुसुईया बनाम राजस्थान राज्य एवं अन्य में पारित आदेश दिनांक 26.07.2018 (अनुलग्नक–6) का उद्धरण देकर अपीलार्थी का प्रकरण समान बताया है। अतः अपील अपीलार्थी स्वीकार फरमाई जाकर प्रत्यर्थी विभाग के आदेश दिनांक 15.01.2025 को अपीलार्थी की सीमा तक अपास्त फरमाया जावे एवं प्रत्यर्थी विभाग को निर्देशित करे कि अपीलार्थी को वर्तमान ए.एन.एम के पद पर उप केन्द्र धर्मदादा, खण्ड खेतड़ी जिला झुंझुंनू में समस्त वेतन–भत्तों सहित निरन्तर कार्य करने दिया जावें।

3. हमनें अपीलार्थी के अधिवक्ता की बहस सुनी तथा पत्रावली पर उपलब्ध तमाम अभिलेख का अनुशीलन कर मनन किया।

4. अतः उपरोक्त तथ्यों को देखते हुए हस्तगत अपील में न्यायाहित में अपीलार्थी को निर्देश दिये जाते हैं कि वे अपने सक्षम अधिकारी के समक्ष एक अभ्यावेदन इस आदेश की दिनांक से 2 सप्ताह में प्रस्तुत करें तथा प्रत्यर्थी विभाग को यह निर्देश दिया जाता है कि अपीलार्थी के द्वारा प्रस्तुत अभ्यावेदन को प्राप्त होने की दिनांक से 2 सप्ताह में अभ्यावेदन पर आख्यात्मक आदेश पारित कर अपीलार्थी को सूचित करें। प्रत्यर्थी विभाग द्वारा उक्त अभ्यावेदन का निस्तारण नहीं किये जाने तक अपीलार्थी के सम्बन्ध में पारित आलोच्य आदेश दिनांक 15.01.2025 (अनुलग्नक–1) का क्रियान्वयन (Operation) अपीलार्थी की सीमा तक स्थगित रहेगा एवं साथ ही यह स्पष्ट किया जाता है कि अपीलार्थी को वहीं कार्यरत रखा जावें जहां वह चुनौती आदेश पारित किये जाने से पूर्व कार्यरत था।

5. यहां यह स्पष्ट किया जाता है कि उक्त निर्देशों की पालना अपीलार्थी द्वारा नहीं किये जाने पर यह स्थगन आदेश स्वतः ही निष्प्रभावी हो जावेगा।
6. अतः उक्त अपील, मय स्थगन प्रार्थना पत्र, ग्राह्यता के प्रक्रम पर ही उपर्युक्त निर्देश के साथ अन्तिम रूप से निस्तारित की जाती है।

(लेखराज तोसावड़ा)
सदस्य

(चेतन राम देवड़ा)
सदस्य